



खाया करू भात, सुहागिनें रखेंगी हरतालिका तीज का निर्जला व्रत आज

हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर

धार्मिक आस्था और उत्सव का रंग एक साथ नजर आया। हरतालिका और गणेश चतुर्थी एक ही दिन पड़ने से पर्व का उत्साह दोगुना हो गया है। रविवार की रात सुहागिन महिलाओं ने करू भात खाया। सोमवार को सुहागिन महिलाएं पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना के लिए हरतालिका तीज का निर्जला व्रत रखेंगी। वहीं दोपहर में शुभ मुहूर्त में भगवान गणेश की स्थापना कर विघ्नहर्ता की पूजा-अर्चना की जाएगी।

■ 14 सितंबर को तीज और गणेश चतुर्थी का दुर्लभ संयोग

दोपहर बाद घरों और सार्वजनिक स्थानों पर विराजेगे गणपति बप्पा



बाजार में चहल-पहल, पूजा सामग्री की बड़ी मांग

दोनों प्रमुख पर्व एक ही दिन होने के कारण शहर के बाजारों में भी चहल-पहल बढ़ गई है। तीज के लिए महिलाएं सुहाग सामग्री, पूजा सामग्री और श्रृंगार के सामान की खरीदारी कर रही हैं। वहीं गणेश स्थापना के लिए मिट्टी की प्रतिमा, दूर्वा, मोदक, फल, नारियल, कलश, मौली, रोली, अक्षत और फूलों की मांग बढ़ी है। घरों के पूजा स्थल को सजाने के लिए फूलों और आम के पत्तों की वंदनवार भी तैयार की जा रही है।

दोनों पर्वों के एक ही दिन होने से घरों में सुबह से लेकर शाम तक धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला चलेगा। हरतालिका तीज की प्रातःकालीन पूजा के लिए सुबह 6.05 बजे से 7.06 बजे तक का समय शुभ बताया गया है। इसके बाद गणेश चतुर्थी के लिए सुबह 11.02 बजे से दोपहर 1.31 बजे तक गणेश स्थापना एवं मध्याह्न पूजा का मुहूर्त रहेगा।

गणपति स्थापना के लिए अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11.52 से 12.41 बजे तक रहेगा। शाम को हरतालिका तीज की पूजा के लिए 6.28 से 7.37 बजे तक का समय बताया गया है। परंपरा के अनुसार बालू या मिट्टी से भगवान शिव, माता पार्वती और गणेश की प्रतिमा बनाकर पूजा की जाएगी।

तैयारी : शहर में भव्यता से शुरू होगा सेवा संकल्प अभियान

दंतेश्वरी मंदिर परिसर सहित सिरहासार चौक में जगमगाएंगे सवा लाख दीपक

हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस तथा उनके सार्वजनिक व प्रशासनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पूरे माह चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' की शुरुआत जगदलपुर में भव्यता के साथ होने जा रही है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत शहर के हृदय स्थल बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी मंदिर परिसर सहित सिरहासार चौक पर 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जहां एक साथ सवा लाख दीये प्रज्वलित कर पूरे परिसर को अलौकिक रोशनी से जगमग किया जाएगा।

इस कार्यक्रम को सुव्यवस्थित और सफल आयोजन के उद्देश्य से स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों द्वारा व्यापक तैयारी की जा रही है। तैयारियों की समीक्षा और पुख्ता रणनीति तैयार करने के लिए महापौर संजय पाण्डे, कलेक्टर आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा



संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण कर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, मंच सज्जा, दीप प्रज्वलन की श्रृंखला तथा जनभागीदारी के सुगम आवागमन को लेकर

दिशा-निर्देश दिए गए।

ये रहे मौजूद

इस दौरान पर नगर निगम आयुक्त प्रवीण वर्मा, पूर्व महापौर सफीरा साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित

थे। ज्ञात हो कि महीने भर चलने वाले इस सेवा संकल्प अभियान के दौरान समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जनसेवा पहुंचाने के लिए स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, सामाजिक सरोकार और रचनात्मक प्रतियोगिताओं जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

प्राशा हाटगुड़ा बंद मिली, गारावण्ड में गैरहाजिर शिक्षकों से मांगा स्पष्टीकरण



हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर

निरीक्षण के दौरान कई स्कूल बंद मिले। साथ शिक्षक भी गैरहाजिर रहे। मामले में संबंधितों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा अशोक पाण्डेय ने प्रा. शा. हाटगुड़ा, प्रा. शा. बड़ेगारावण्ड, प्रा. शा. कोकडीगुड़ा, उ.प्रा.शा. तुरेनार, उ.प्रा.शा. पोडसागुड़ा एवं उ.प्रा.शा. भाटगुड़ा का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रा.शा. हाटगुड़ा में प्रातः 7:30 बजे बंद पाया गया। 1 शिक्षिका एवं 5 बच्चे शाला के बाहर मिले। इसी प्रकार उ.प्रा.शा. गारावण्ड में प्रातः 7:45 बजे 1 शिक्षिका उपस्थित हुई। उक्त सभी को स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। शालाओं में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने, एक पेड़ मां के नाम, एप में

■ डीएमसी ने सुबह 7:30 बजे से अनेक शालाओं का किया औचक निरीक्षण



बच्चों से पूछे सवाल मिला जवाब

श्री पांडेय ने बच्चों से हिन्दी गणित से संबंधित सामान्य प्रश्न पूछे। बच्चों ने उत्तर संतोषजनक दिया। बच्चों से सामान्य चर्चा करते हुये नियमित शाला में उपस्थिति हेतु कहा गया। अधिकारी द्वारा संकुल समन्वयक को पदस्थ संस्था में 3 कालखण्ड अध्यापन कराने एवं संकुल अन्तर्गत प्रत्येक शाला में सप्ताह में कम से कम 1 बार अवलोकन करने के निर्देश दिये।

अपलोड करने, सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत कार्यक्रम आयोजित करने, चोंगा से शासन द्वारा निर्धारित प्रार्थना करने, शाला भवन के छत की सफाई करने, गुणवत्तायुक्त मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने, पाठ्यक्रम अनुसार अध्यापन कराने, गृहकार्य देने, कॉपी जांचने, प्राथमिक शालाओं में विद्यार्थी सूचकांक कक्ष में प्रदर्शित करने, जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा एवं परीक्षा की तैयारी कराने, ►►शेष पेज 12 पर

शहीद पार्क का होगा कायाकल्प, फुटपाथ से लेकर जिम उपकरण तक सुधरेंगे

हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर



ये रहे मौजूद

निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य निर्मल पाणिग्राही, सुरेश गुप्ता, लक्ष्मण झा, कलावती कसेर, योगेंद्र पांडे, निगम आयुक्त प्रवीण कुमार वर्मा, राजेन्द्र पाण्डे, रमन्ना राव, नागेश्वर राव, राजेश गुरु, छबिलेश जोशी, कार्यपालन अभियंता गोपाल मारुडान, उप अभियंता अमर सिंह, विमल गोयल, दीपांशु देवांगन सहित नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं शहर के लोग उपस्थित रहे।

डीलक्स स्तर का पिंक टॉयलेट और पुरुषों के लिए अलग टॉयलेट की निर्माण किया जाएगा। इससे सुबह-शाम पार्क में आने वाले बुजुर्गों, महिलाओं, युवाओं और परिवारों को

बेहतर सुविधा मिलेगी। जलापूर्ति और स्वच्छता व्यवस्था को भी इससे अनुरूप विकसित किया जाएगा। पार्क के सामने की मौजूदा बाउंड्रीवाल ►►शेष पेज 12 पर

पंडालों में पहुंचने लगे विघ्नहर्ता

हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर

गणेशोत्सव को लेकर शहर में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर घरों और सार्वजनिक पंडालों में प्रतिमा स्थापित करने के लिए उत्साह देखा जा रहा है। पूर्व मंडी परिसर में अलग-अलग आकार, डिजाइन और स्वरूप की गणेश प्रतिमाएं सजाई गई हैं। यहां 500 रुपए से लेकर 5100 रुपए तक की प्रतिमाएं उपलब्ध हैं। छोटे आकार की प्रतिमाएं जहां घरों में स्थापना के लिए लोगों की पसंद हैं, वहीं बड़ी



और आकर्षक प्रतिमाओं की मांग सार्वजनिक गणेश समितियों की ओर से की जा रही है। प्रतिमा विक्रेताओं के अनुसार इस बार श्रद्धालुओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग आकार और डिजाइन की मूर्तियां बनाई गई हैं। बाजार में पारंपरिक स्वरूप के साथ ही आकर्षक सजावट और विभिन्न मुद्राओं में गणेश प्रतिमाएं लोगों का ध्यान खींच रही हैं। लोग अपनी सुविधा, बजट और स्थापना स्थल के अनुसार प्रतिमा का चयन कर रहे हैं। सार्वजनिक समितियों के सदस्य भी ►►शेष पेज 12 पर

गणेश प्रतिमा बिक्री के लिए पुरानी कृषि मंडी सुविधाजनक



हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर

गणेश चतुर्थी के पर्व को देखते हुए इस वर्ष नगर पालिक निगम ने गणेश प्रतिमाओं के विक्रय के लिए शहर के पुराने कृषि उपज मंडी प्रांगण को निर्धारित किया है। व्यापारियों का कहना है कि एक स्थान पर व्यवस्थित बाजार उपलब्ध होने से न केवल उनका कारोबार सुचारू हुआ है, बल्कि ग्राहकों को भी प्रतिमाएं

खरीदने में सुविधा मिल रही है। यहां निर्धारित स्थानों पर व्यवस्थित तरीके से दुकानें लगाई गई हैं। निगम की ओर से यहां स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त पार्किंग और शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

इसके चलते प्रतिमा खरीदने आने वाले परिवारों को वाहन खड़ा करने से लेकर खरीदारी तक में आसानी हो रही है। व्यापारियों के मुताबिक, पहले शहर के अलग-अलग हिस्सों में प्रतिमा बिक्री होने से जगह की कमी, यातायात दबाव और ग्राहकों की आवाजाही जैसी समस्याएं आती थीं।

महापौर ने की व्यापारियों से चर्चा

महापौर संजय पाण्डेय ने पुरानी मंडी पहुंचकर व्यापारियों से चर्चा की। प्रतिमा विक्रेताओं ने निगम की पहल को व्यापारियों के हित में लिया गया निर्णय बताया। व्यवस्थित बाजार होने से ग्राहक आसानी से दुकानों तक पहुंच रहे हैं और बिना ट्रैफिक की परेशानी के प्रतिमाओं का चयन कर रहे हैं। पार्किंग की सुविधा के कारण परिवारों के साथ आने वाले ग्राहकों को भी राहत है। सुविधाएं मिलने से उन्हें दुकान लगाते, प्रतिमाओं को सुरक्षित रखने और ग्राहकों को बेहतर तरीके से सेवा देने में सहूलियत हो रही है। निगम ने केवल बिक्री के लिए स्थान उपलब्ध नहीं करवाया, बल्कि पेयजल, शौचालय और पार्किंग जैसी सुविधाएं देकर पूरे बाजार को व्यवस्थित रूप देने का प्रयास किया है। इससे व्यापारी और ग्राहक दोनों लाभान्वित हो रहे हैं।

लगातार महंगाई के बढ़ने से लोगों की बढ़ रही परेशानी

प्याज की लंबी छलांग 70 रुपए किलो पर पहुंची, कई सब्जियां सैकड़ों पर

हरिभूमि न्यूज़ ►► जगदलपुर

रविवार के पहले पहर में बारिश के बावजूद शहर के सब्जी बाजार में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ लगी रही, वहीं इस बीच प्याज की कीमतों से आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। प्याज के दाम बढ़कर 60 से 70 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। अचानक बढ़ी कीमतों का सबसे ज्यादा असर मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों की रसोई पर पड़ रहा है। लगातार बढ़ रही महंगाई ने लोगों की परेशानी



बढ़ा दी है। बढ़ती महंगाई के चलते गृहणियां अब रोजमर्रा के भोजन में प्याज का इस्तेमाल कम करने लगी हैं। प्याज की कीमत बढ़ने से घरों का बजट प्रभावित होने लगा है। सब्जी खरीदने बाजार पहुंचने वाले लोगों का कहना है कि पहले जहां प्याज ►►शेष पेज 12 पर

मध्यमवर्गीय परिवारों पर ज्यादा असर

रसोई में रोजाना इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं में प्याज की अहम भूमिका है। ऐसे में कीमत बढ़ने से मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के सामने खर्च का संतुलन बिगड़ रहा है। गृहणियों का कहना है कि महंगाई के चलते अब सब्जियों में प्याज की मात्रा कम करनी पड़ रही है। कुछ परिवारों ने प्याज का उपयोग केवल जरूरी व्यंजनों तक सीमित कर दिया है।

TVS

CONSUMER OFFER
₹3100/-*

EX CHANGE BONUS
₹6500/-*

सबसे मरोसेनंद, सबसे किरफायती

TVS के संग

हर सफर, अब और भी आसान

बेहतर माइलेज

मजबूत परफॉमेंस

कम मेंटेनेंस

बेहतर सीसेल वेल्यू

SPAAK TVS

New Authorised, Main Dealership of Full Range

9232619001/9232619002

स्टेट बैंक के पास - **नंदपुर** 9232619012 • एनाच-30, फरसागुड़ा - **पाण्डुरी** 9232619013 • जैपुर रोड, वोक्सवाग्न चौक - **नन्दपुर** 9232619014 • पुलिस थाना के पास - **बनारस** 9232619015

जगदंबा ऑटो पार्ट्स, **मोदन** 9893801015 • चनलक्ष्मी ऑटोमोबाइल्स - **बीजपुर** 9479012090 • वॉलेंट इलेक्ट्रिक व्हेलिकल्स - **बनरी** 9977169673 • पीआर ऑटोमोबाइल्स - **सुकमा** 9425211102

खबर संक्षेप

मुकेश बघेल पदोन्नत मिली विदाई



बस्तर । छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड बस्तर में पदोन्नति मिलने पर अटेंडेंट वेड- II (लाइन) मुकेश कुमार बघेल को सहकर्मियों ने मावगीनी विदाई दी। मुकेश बघेल का प्रमोशन अटेंडेंट वेड- I (लाइन) के पद पर हुआ है, जिसके बाद उन्हें बीजापुर वितरण केंद्र में पदस्थ किया गया है। विदाई समारोह में कनिष्ठ अभियंता देव प्रसाद कोठारी सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों ने बघेल के कार्यकाल की सराहना की। उन्होंने कहा कि बघेल ने टीम के साथ मिलकर क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था दुरुस्त रखने और उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में सराहनीय भूमिका निभाई। सभी ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

सेवा संकल्प अभियान रील प्रतियोगिता बनेगी युवाओं के बीच आकर्षण
जगदलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस तथा उनके सार्वजनिक व प्रशासनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पूरे माह चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' की शुरुआत जगदलपुर में मध्याह्न के साथ होने जा रही है। युवाओं को विकास और जनसेवा की धारा से जोड़ने के लिए सोशल मीडिया रील प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र बनेगी। स्थानीय प्रतिभाओं, स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं और युवाओं को अपनी रचनात्मकता दिखाने का मौका देने के लिए यह प्रतियोगिता रखी गई है, जिसमें बस्तर के बदलाव स्वरूप और सेवा कार्यों पर आधारित सर्वश्रेष्ठ रीलस बनाने वाले तीन विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

हल्की धूप और रात में बारिश के आसार आज
जगदलपुर। बस्तर में मौसम का मिजाज 14 सितंबर को बदला-बदला रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को दिन के समय आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे और बीच-बीच में धूप निकल सकती है। वहीं रात के समय मौसम में बदलाव के साथ बारिश या बौछारें पड़ने की संभावना जताई गई है। दिन का अधिकतम तापमान करीब 31 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है, जबकि रात में न्यूनतम तापमान करीब 22 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। दिन में बारिश की संभावना करीब 15 प्रतिशत बताई गई है, जबकि रात में इसके बढ़कर करीब 45 प्रतिशत होने का अनुमान है।

बस्तर जिले के 990 विद्यालयों के शिक्षकों का बहुभाषी शिक्षा प्रशिक्षण
हरिभूमि न्यूज ►► जगदलपुर
बस्तर जिले के 1524 विद्यालयों में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रायपुर, समग्र शिक्षा रायपुर, लैंग्वेज ऐंड लर्निंग फाउंडेशन और टाटा ट्रस्ट के संयुक्त सहयोग से नींव बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। नींव बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए जिले के 990 विद्यालयों के शिक्षकों का छह दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण 31 अगस्त से 12 सितम्बर तक विभिन्न बैचों में सम्पन्न हुआ। जिले में 49 विभिन्न बैच के माध्यम से आयोजित प्रशिक्षण में बालवाटिका तथा कक्षा 1 से 3 में भाषा एवं गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों ने सहभागिता निभाई। बस्तर

बस्तर जिले के 990 विद्यालयों के शिक्षकों का बहुभाषी शिक्षा प्रशिक्षण
हरिभूमि न्यूज ►► जगदलपुर
बस्तर जिले के 1524 विद्यालयों में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रायपुर, समग्र शिक्षा रायपुर, लैंग्वेज ऐंड लर्निंग फाउंडेशन और टाटा ट्रस्ट के संयुक्त सहयोग से नींव बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। नींव बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए जिले के 990 विद्यालयों के शिक्षकों का छह दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण 31 अगस्त से 12 सितम्बर तक विभिन्न बैचों में सम्पन्न हुआ। जिले में 49 विभिन्न बैच के माध्यम से आयोजित प्रशिक्षण में बालवाटिका तथा कक्षा 1 से 3 में भाषा एवं गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों ने सहभागिता निभाई। बस्तर

हरिभूमि न्यूज ►► जगदलपुर
बस्तर जिले के 1524 विद्यालयों में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रायपुर, समग्र शिक्षा रायपुर, लैंग्वेज ऐंड लर्निंग फाउंडेशन और टाटा ट्रस्ट के संयुक्त सहयोग से नींव बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। नींव बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए जिले के 990 विद्यालयों के शिक्षकों का छह दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण 31 अगस्त से 12 सितम्बर तक विभिन्न बैचों में सम्पन्न हुआ। जिले में 49 विभिन्न बैच के माध्यम से आयोजित प्रशिक्षण में बालवाटिका तथा कक्षा 1 से 3 में भाषा एवं गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों ने सहभागिता निभाई। बस्तर

हरिभूमि न्यूज ►► बघेली
संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत बघेली स्थित एनएमडीसी मंगल भवन में “जिला स्तरीय कलश वंदन समारोह” का भव्य

■ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन, सबने लिया सशक्त भारत का संकल्प
आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज में सामाजिक समरसता, समानता, भाईचारा एवं सद्भावना का संदेश देते हुए संत गुरु रविदास के महान विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

समारोह के मुख्य वक्ता के रूप में सांसद महेश कश्यप उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में संत शिरोमणि गुरु

कला के प्रति अटूट आस्था, पिछले 12 वर्षों से भव्य मूर्तियां गढ़ रहे तिमेड़ के बदी राजू

हरिभूमि न्यूज ►► मदेड़

प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं होती, इसे साबित कर दिखाया है भोपालपटनम के तिमेड़ निवासी 33 वर्षीय बदी राजू ने। पिछले 12 वर्षों से लगातार भगवान गणेश और मां दुर्गा की अत्यंत भव्य व सुंदर मूर्तियां बनाने का कार्य कर रहे हैं। उनकी बनाई मूर्तियों की भव्यता, फिनिशिंग और सजीवता पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय रहती है।

उनको बचपन से ही चित्रकला में विशेष रुचि थी। जब गौदम में कालाहांडी (ओडिशा) के प्रसिद्ध मूर्तिकार गुरु जयंतो मूर्तियां बना रहे थे, तब राजू की उत्सुकता उन्हें गुरु तक ले गई। नम्रतापूर्वक कला सीखने की इच्छा जताई, जिसे गुरु जयंतो

दुर्गा पूजा के लिए भी सजती हैं 5 से 8 फीट की मूर्तियां

गणेशोत्सव के साथ-साथ बदी राजू मां दुर्गा की भी 5 से 8 फीट ऊंची भव्य मूर्तियों का निर्माण करते हैं। उनकी मूर्तियों की फिनिशिंग और सजीवता इतनी उत्कृष्ट होती है कि उत्सवों से काफी समय पहले ही लोग मूर्तियों की अग्रिम बुकिंग (एडवांस बुकिंग) करा लेते हैं।



ओडिशा के प्रसिद्ध मूर्तिकार से सीखी थीं बारीकियां

आसपास के इलाकों में राजू की मूर्तियों की भारी मांग

आज तिमेड़, भोपालपटनम, चेरपल्ली और मदेड़ सहित आसपास के तमाम ग्रामीण इलाकों से विभिन्न समितियों के सदस्य और श्रद्धालु राजू के पास मूर्तियां खरीदने पहुंचते हैं। 12 वर्षों का यह सफल साफर बदी राजू की कड़ी मेहनत, कला के प्रति अटूट समर्पण और उनकी विशिष्ट कलात्मक पहचान का जीवंत प्रमाण है।

ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। अगले ही दिन से राजू का प्रशिक्षण शुरू हुआ और उन्होंने मात्र एक ही वर्ष में मूर्ति निर्माण की सभी बारीकियां सीख लीं। यहीं से उनके मूर्तिकला के सफर की शुरुआत हुई।

गणेश उत्सव से ठीक एक माह पहले ही बदी राजू मूर्ति निर्माण की तैयारी में जुट जाते हैं। वे इसके लिए आवश्यक सामग्री जैसे विशेष मिट्टी, पैरा घास, बांस, लकड़ी और रंगों की व्यवस्था खुद करते हैं। वे आधा फीट की छोटी मूर्तियों से लेकर 12 फीट तक की विशाल व मनमोहक गणेश प्रतिमाएं तैयार करते हैं अपनी कला के दम पर वे हर साल गणेश चतुर्थी पर कम से कम 25 से अधिक मूर्तियां स्वयं बनाकर बेचते हैं।

हमारी आंगनवाड़ी हमारी जिम्मेदारी : रवि कांत



हरिभूमि न्यूज ►► दतेवाड़ा

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर द्वारा दतेवाड़ा में आयोजित 'वार्तालाप' कार्यक्रम में जिला महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला

आंगनवाड़ी हमारी जिम्मेदारी' है। इसका उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों को पोषण, देखभाल और प्रारंभिक बाल विकास के लिए सामुदायिक भागीदारी के केंद्र के रूप में मजबूत करना तथा पोषण के प्रति सामूहिक स्वामित्व और जवाबदेही बढ़ाना है।

आगे कहा कि आहार विविधता एवं पर्याप्त प्रोटीन के तहत बच्चों के दैनिक भोजन एवं अन्य स्रोतों से मिलने वाले पर्याप्त प्रोटीन को शामिल करने पर जोर दिया जा रहा है। आंगनवाड़ी केंद्रों पर ताजा गरम पका भोजन उपलब्ध कराना भी प्रमुख प्राथमिकता है। महिला एवं बाल विकास अधिकारी रवि कांत ने अंत में कहा कि कहा कि 'हमारी आंगनवाड़ी हमारी जिम्मेदारी' की भावना के साथ परिवार, आंगनवाड़ी केंद्र, पंचायत, स्वयं सहायता समूह और समुदाय मिलकर पोषण सेवाओं को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बना सकते हैं।

■ महिला बाल विकास विभाग ने पोषण माह में सामुदायिक भागीदारी पर दिया जोर

कार्यक्रम प्रबंधक रविकान्त ध्रुव ने 9वें राष्ट्रीय पोषण माह 2026 की पांच प्रमुख प्राथमिकताओं आहार विविधता एवं पर्याप्त प्रोटीन, आंगनवाड़ी केंद्रों पर ताजा गरम पका भोजन, सामुदायिक स्वामित्व एवं जवाबदेही, बाल विकास के लिए पोषण एवं प्रारंभिक उत्तेजना तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के माध्यम से मातृ स्वास्थ्य के लिए नकद हस्तांतरण की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष पोषण माह की थीम 'हमारी

स्थानीय भाषा, संस्कृति व अनुभवों को कक्षा से जोड़ने पर रहा विशेष जोर

शिक्षकों ने सीखे मातृभाषा में पढ़ाने और गणित सिखाने के गुर



के इन विद्यालयों में हल्की, भतरी और गोंडी भाषी पृष्ठभूमि के बच्चे अध्ययनरत हैं। प्रशिक्षण में बच्चों की घर की भाषा को सीखने का आधार बनाने, बस्तर की भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता को कक्षा से जोड़ने तथा दूसरी भाषा सीखने के लिए परिचित भाषा को एक मजबूत सेतु के रूप में उपयोग करने पर चर्चा हुई।

प्रशिक्षकों और शिक्षकों ने मौखिक भाषा विकास, द्विभाषी शिक्षा, चार खंडीय मॉडल, बुनियादी गणित, कहानी-कविता, चित्र, टोपीआर, सामुदायिक ज्ञान, डिकोडिंग, अक्षर-मात्रा पहचान, ब्लॉडिंग, पठन एवं लेखन, गणना, संख्या ज्ञान, और गणितीय संक्रियाओं जैसी गतिविधियों का अभ्यास किया। साथ ही

विगबुक, शिक्षक संदर्शिका, अभ्यास पुस्तिका, चित्र-चार्ट एवं अन्य शिक्षण-सामग्री के प्रभावी उपयोग तथा प्रिंट-समृद्ध वातावरण और सतत आकलन, नवीन पाठ्य पुस्तक कि समझ और बहुकक्षीय शिक्षण योजना पर भी चर्चा हुई। इस दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी) एफईएफ-एफएस व एससीएफ-एसई पर भी विस्तार से चर्चा किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला को सफल बनाने में मास्टर ट्रेनर रामकृष्ण ढाली, जोगेंद्र भारती, सत्यनारायण सिसार, रितु रजवाड़े, कौशिल्या शोरी, डुपेंद्र कश्यप, महेंद्र पांडे, छुड़ामणि कंवर, प्रदीप जोशी, रामकृष्ण साहू, डोमेन्द्र गंगबेर सहित एलएलएफ से सुदुरु भारती, ईश्वर साहू, मदन कश्यप व विपिन पाणिग्राही का विशेष योगदान रहा।

शिक्षकों ने अनुभव साझा किए

प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों ने अपने कक्षा-कक्षीय अनुभव साझा किए और बच्चों की भाषा, संस्कृति, स्थानीय ज्ञान एवं अनुभवों को शिक्षण-अधिवेशन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण आधार बनाने पर जोर दिया। अब प्रशिक्षण के बाद इन रणनीतियों को विद्यालयों की वास्तविक कक्षाओं में निर्यात रूप से लागू करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ►► बस्तर
जिले में 'नींव-बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम' के तहत बुनियादी साक्षरता एवं संख्या-ज्ञान सह बहुभाषी शिक्षा का 6 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण 7 से 12 सितम्बर 2026 तक आयोजित किया गया। इसका मुख्य फोकस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप कक्षा 1 से 3 में मातृभाषा आधारित शिक्षण को सुदृढ़ करना रहा।

प्रशिक्षण के दौरान बस्तर खंड स्रोत समन्वयक ने केंद्रों का भ्रमण कर शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। शिविर में सुंगठित भाषा शिक्षण के चार घटकों, मौखिक भाषा



विकास, डिकोडिंग और पठन-लेखन पर चर्चा हुई। वहीं गणित शिक्षण के तहत 'फोर-ब्लॉक मॉडल' और स्थानीय टीएलएएम (कंकड़, गणित माला) के उपयोग सहित बहुकक्षा शिक्षण की पाठ

योजना व आकलन का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। डेमो और समूह कार्य के माध्यम से संपन्न इस प्रशिक्षण से शिक्षकों में गुणवत्तापूर्ण अध्यापन के प्रति नई ऊर्जा का संचार हुआ।

जिला स्तरीय कलश वंदन समारोह, संत रविदास जयंती पर लिया समरसता का संकल्प संत रविदास के विचार समतामूलक राष्ट्र के निर्माण की प्रेरणा : महेश

हरिभूमि न्यूज ►► बघेली

संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत बघेली स्थित एनएमडीसी मंगल भवन में “जिला स्तरीय कलश वंदन समारोह” का भव्य

■ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन, सबने लिया सशक्त भारत का संकल्प

आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज में सामाजिक समरसता, समानता, भाईचारा एवं सद्भावना का संदेश देते हुए संत गुरु रविदास के महान विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

समारोह के मुख्य वक्ता के रूप में सांसद महेश कश्यप उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में संत शिरोमणि गुरु



रविदास के जीवन, संघर्षों और समाज को दिए गए अमूल्य संदेशों पर प्रकाश डाला। सांसद महेश कश्यप ने कहा कि संत गुरु रविदास जी ने अपने पूरे जीवन के माध्यम से समाज में समानता, समरसता और मानवता का संदेश दिया।

उनके पवित्र विचार आज भी समाज को एकजुट करने और एक समतामूलक राष्ट्र के निर्माण की प्रेरणा देते हैं। सांसद कश्यप ने उपस्थित जनसमूह से बाबा रविदास के आदर्शों को अपने समरसता और मानवता का संदेश दिया।

का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी अटूट एकता और आपसी भाईचारे में निहित होती है। हमें जाति, वर्ग एवं भेदभाव से ऊपर उठकर एक समरस और सशक्त समाज का निर्माण करना होगा,

यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

श्रद्धा और उत्साह से ओत-प्रोत इस समारोह में मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्होंने माहौल को और अधिक भावपूर्ण बना दिया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव से कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए संत रविदास जी को नमन किया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने सामाजिक समरसता, समानता एवं सद्भावना पर आधारित एक सशक्त और अखंड भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का महा-संकल्प लिया। यह भव्य आयोजन भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता के मार्गदर्शन, मंडल अध्यक्ष अमलेन्दु चक्रवर्ती तथा नगर पालिका अध्यक्ष राजू जायसवाल के विशेष सहयोग से संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ पदाधिकारी और श्रद्धालु मौजूद रहे।

जनभावना की आवाज बने पृथक बस्तर की मांग तो दूंगा साथ : सांसद

हरिभूमि न्यूज ►► सुकमा

पृथक बस्तर राज्य की मांग को लेकर गरमाई सियासी बहस के बीच सांसद महेश कश्यप ने कहा कि इस मांग को केवल राजनीतिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। यदि भविष्य में यह वास्तव में व्यापक जनमानस की आवाज बनती है, तो वे इसके साथ खड़े होने से पीछे नहीं हटेंगे। हालांकि, उन्होंने वर्तमान में इसके लिए सक्रिय लोगों की मंशा पर सवाल उठाते हुए जनता को अलगाव की राजनीति करने वालों से सावधान रहने की अपील की। 'सेवा संकल्प अभियान' के दौरान सांसद ने कहा कि देश और बस्तर ने लंबे समय तक अलगाववाद, आतंकवाद और नक्सलवाद झेला है। जो लोग 'कश्मीर और बस्तर से आजादी' की देशविरोधी बातें करते रहे हैं, वे उनसे खुद को अलग मानते हैं।



उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में बस्तर अब सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ बदल रहा है। बस्तर की पहचान उसकी संस्कृति, प्राकृतिक संपदा और आदिवासी परंपराओं से है। सरकार की प्राथमिकता युवाओं को रोजगार देकर इसे मुख्यधारा से जोड़ना है। जनता को किसी भी भावनात्मक नारे के पीछे जाने से पहले उसकी वास्तविक मंशा को समझना चाहिए।

खबर संक्षेप

कांग्रेस का डोर-टू-डोर अभियान, सुर्जी समस्याएं



जगदलपुर। प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर स्मार्ट मीटर लगाए जाने और बिजली बिलों में बढ़ोतरी के खिलाफ कांग्रेस द्वारा चलाया जा रहा जनअभियान जारी है। शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य की उपस्थिति में नगरनगर ब्लॉक अध्यक्ष संतोष सेठिया की अगुवाई में घर-घर पहुंचकर उपभोक्ताओं से सीधा संवाद किया गया। इस दौरान उपभोक्ताओं से बिजली बिल, स्मार्ट मीटर तथा उससे जुड़ी समस्याओं की जानकारी ली गई और उनकी शिकायतों एवं आपत्तियों को दर्ज करते हुए 'स्मार्ट मीटर विरोधी आवेदन' भरवाए गए। उपभोक्ताओं की समस्याओं को आवेदन के माध्यम से दर्ज किया जा रहा है, ताकि उनकी सामूहिक आवाज को सरकार तक पहुंचाया जा सके। कांग्रेस जनता के मुद्दों पर लगातार संघर्ष करती रहेगी और मांगें पूरी होने तक चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष लेखन बघेल, अमित पांडे, धनुर्जय दास मौजूद रहे।

पवन बने राज्य फैफरी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ फुटबॉल संघ के सम्पन्न राज्य फुटबॉल फैफरी के फ्रंटिनेस एवं लिखित परीक्षा परीणाम घोषित बस्तर जिला से पवन कुमार मगराज सभी प्रक्रिया में उत्तीर्ण और पंजीकृत फैफरी बने। यह जानकारी संघ के सचिव दिलीप दास ने दी है।

विकास पाण्डेय और सुदेश दीपक का सम्मान



जगदलपुर। भारतीय जीवन बीमा निगम अभिकर्ता संघ जगदलपुर ने सहायक शाखा प्रबंधक विकास पांडे के महासमृद्ध स्थानांतरण, एवं शाखा के कर्मचारी सुदेश दीपक के पदोन्नति पर पुष्पगुच्छ से सम्मान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अव्यवस्थित पार्किंग से परेशान वार्डवासियों ने दिया आवेदन

हरिभूमि न्यूज ►► जगदलपुर

बालाजी वार्ड में क्लीनिकों के कारण सड़क पर अव्यवस्थित वाहन पार्किंग रोकने एवं वैकल्पिक पार्किंग व्यवस्था करने वार्ड के लोगों ने ट्रैफिक पुलिस को आवेदन देकर

- बालाजी वार्ड में क्लीनिकों के चलते अव्यवस्थित पार्किंग रोकने एवं वैकल्पिक व्यवस्था करने कहा

- वाहनों की भीड़ और सड़क जाम की स्थिति से रोज हो रहे परेशान

निजात दिलाने की मांग की है। वार्ड के लोगों का कहना है कि प्रतिदिन वाहनों के चलते एक ओर जहां जाम की स्थिति बनती है वहीं दूसरी ओर क्लिनिक संचालकों से मतभेद भी आम हो गया है।

ट्रेफिक पुलिस को दिए आवेदन में वार्ड के लोगों ने बताया कि सभी बालाजी वार्ड के निवासी हैं। वार्ड में स्थित अद्विक पॉलीक्लीनिक, दीपक



डेंटल क्लिनिक व मानसी मेडिकोज के आसपास प्रतिदिन बड़ी संख्या में आने वाले मरीजों व अन्य लोगों के वाहन सड़क पर ही खड़े किए जाते हैं। इस अव्यवस्थित वाहन पार्किंग के कारण वार्ड की मुख्य सड़क पर प्रतिदिन जाम की स्थिति बनती है और राहगीरों, स्कूली बच्चों एवं स्थानीय निवासियों को आवागमन में

लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वाहनों की भीड़ और सड़क जाम की वजह से वार्डवासियों का मरीजों और क्लिनिक संचालकों से मतभेद की संभावना बढ़ गई है। यहां आने वाले लोगों द्वारा स्थानीय निवासियों के घरों के सामने वाहन खड़े कर दिए जाते हैं जिससे आवागमन रुक जाता है।

घरों के सामने वाहन पार्किंग पर लगे प्रतिबंध

वार्डवासियों ने दिए आवेदन में मांग की है कि बालाजी वार्ड की मुख्य सड़क और घरों के सामने वाहन पार्किंग पूरी तरह प्रतिबंधित की जाए तथा संचालित क्लीनिक व मेडिकोज के लिए वैकल्पिक पार्किंग स्थल निर्धारित किया जाए तथा ट्रैफिक व्यवस्था और सुरक्षा के लिए फुल टाइम सुरक्षागार्ड की इयूटी लगाई जाए। वहीं नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध ट्रैफिक अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाए। आवेदन देने वालों में बालाजी वार्ड के पार्षद हरिश पारेख के अलावा बी गणपत राव, वी रामेश्वर राव, निमित राव, अमिल, राजेश अग्रवाल व अन्य वार्डवासी मौजूद थे।



सुपुत्रों ने नेत्रदान कर मानवता की पेश की अनुकरणीय मिसाल

हरिभूमि न्यूज ►► जगदलपुर

शहर के श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी स्व. श्रीमती दमयंती बेन पटेल के निधन उपरांत उनके सुपुत्रों धर्मेन्द्र पटेल, तुलसी पटेल एवं समस्त पटेल परिवार द्वारा शनिवार को नेत्रदान कर मानवता की अनुकरणीय मिसाल प्रस्तुत की गई। इस पुनीत कार्य से दिवंगत स्व. पटेल की नेत्रदान की इच्छा को उनके परिवार ने सम्मानपूर्वक पूरा किया। नेत्रदान के माध्यम से

प्राप्त कॉर्निया जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए दृष्टि का माध्यम बन सकते हैं। कलेक्टर के मार्गदर्शन में नेत्रदान टीम एवं सहयोगी सदस्यों में नेत्र सर्जन डॉ. नोडल अधिकारी अंधत्व, पीजी सरिता थॉमस, सहायक नेत्रदान अधिकारी सुकर अमृत राव, नेत्र सहायक अधिकारी कुमारी गायत्री कामडी, रैयमन बघेल, पीजी स्ट्रुट्टर्स मेडिकल कॉलेज डिमरापाल एवं संचिवीय सहायक रोहित देवांगन शामिल रहे।

नक्सलमुक्त सुकमा में विकास की राह में बड़ा अड़ंगा, 48 करोड़ के 23 सड़कों के ठेके निरस्त

अधूरे पड़े 100.95 किमी सड़क कार्यों पर शासन सख्त

लीलाधर राठी ►► सुकमा

कभी नक्सल गतिविधियों के कारण जिन इलाकों में सड़क निर्माण सबसे बड़ी चुनौती माना जाता था, वहां अब सुरक्षा का माहौल बदलने के बावजूद विकास कार्यों की रफ्तार पर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेस-1 के तहत सुकमा जिले में स्वीकृत 23 सड़क कार्य वर्षों से अधूरे पड़े रहे। चार वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी इन सड़कों का निर्माण पूरा नहीं हो सका। आखिरकार शासन-प्रशासन ने जुलाई 2026 में इन सभी 23 अनुबंधों को निरस्त कर दिया है।

उपलब्ध विभागीय जानकारी के अनुसार इन 23 सड़कों की कुल स्वीकृत लंबाई 100.95 किलोमीटर है। इनमें अधिकांश कार्य वर्ष 2018-19 में स्वीकृत हुए थे, जबकि कुछ कार्य वर्ष 2016-17 के हैं। इनका अनुबंध वर्ष 2018 से 2022 के बीच ठेकेदारों के साथ किया गया था। निर्धारित अवधि समाप्त होने के बावजूद निर्माण कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं लाई गई। इन सड़क परियोजनाओं में कई स्थानों पर ठेकेदारों द्वारा अर्थवर्क, जीएसबी तथा डब्ल्यूबीएम जैसे प्रारंभिक कार्य किए गए हैं, लेकिन सड़क निर्माण का महत्वपूर्ण डामरीकरण कार्य शुरू ही नहीं हो पाया।

विभागीय आकलन के मुताबिक इन 23 सड़कों में औसतन लगभग 40 प्रतिशत ही कार्य पूरे हो सका है। यानी ग्रामीण क्षेत्रों को पक्की सड़क से जोड़ने के उद्देश्य से स्वीकृत परियोजनाएं वर्षों तक अधूरी रहें। ऐसे में सवाल यह भी उठ रहा है कि जब इन क्षेत्रों में अब सुरक्षा की स्थिति पहले से बेहतर है और नक्सल प्रभाव लगातार कम हुआ है, तब भी ग्रामीण सड़कों के निर्माण में इतनी लंबी देरी क्यों हुई?

मलाईदार काम कर छोड़ने का आरोप

सड़क निर्माण से जुड़े जानकारों के मुताबिक वर्ष 2018 के एसओआर में डामर सहित सड़क निर्माण की लागत लगभग 40 से 50 लाख रुपये प्रति किलोमीटर के आसपास थी। ऐसे में परियोजना के शुरुआती हिस्से में अर्थवर्क, जीएसबी और डब्ल्यूबीएम जैसे कार्य कराकर आगे का महत्वपूर्ण डामरीकरण छोड़ दिए जाने से सरकारी राशि और ग्रामीणों को मिलने वाले सड़क सुविधा के बीच बड़ा अंतर पैदा हुआ है। स्थानीय स्तर पर इसे लेकर यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या ठेकेदारों ने अपेक्षाकृत आसान और शुरुआती कार्य कराने के बाद परियोजनाओं को अंधर में छोड़ दिया। हालांकि, इस संबंध में अंतिम जिम्मेदारी और वित्तीय अभियमितता का निर्धारण विभागीय जांच और शासन स्तर की कार्रवाई के बाद ही स्पष्ट होगा।

समीक्षा के बाद भी नहीं सुधरी स्थिति

विभागीय जानकारों के अनुसार अधूरे कार्यों को पूरा कराने के लिए राजधानी से लेकर जिला मुख्यालय स्तर तक आयोजित समीक्षा बैठकों में ठेकेदारों को लगातार निर्देश दिए गए। विभाग की ओर से कई बार पत्राचार भी किया गया। इसके बावजूद कार्यों में अनुप्राप्तिक प्रगति नहीं लाई गई और 48 करोड़ की सड़कें पूर्ण नहीं हो सकीं। लगातार निर्देश और पत्राचार के बाद भी काम पूरा नहीं होने पर अब विभाग ने निविदा अनुबंध की शर्तों के तहत 23 अनुबंध निरस्त कर दिए हैं।



नक्सलमुक्त माहौल के बाद भी देरी पर उठे सवाल

सुकमा में सुरक्षा के मोर्चे पर बदलाव के बाद सरकार अब दूरस्थ क्षेत्रों में विकास को गति देने पर जोर दे रही है। ऐसे समय में 100 किलोमीटर से अधिक सड़कें अधूरी रहना व्यवस्था के लिए गंभीर सवाल खड़ा करता है। हालांकि पुराने ठेकेदारों के अनुबंध अब निरस्त हो चुके हैं, लेकिन सरकारी धन, समय और ग्रामीणों को सुविधा से वंचित रखने की जिम्मेदारी तय करना भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा। अब नजर इस बात पर है कि शासन केवल अनुबंध निरस्त करने और पुनर्निविदा तक सीमित रहता है या फिर लापरवाही के लिए जिम्मेदार ठेकेदारों के खिलाफ अर्थदंड, एसडी-पीजी राजसाती और अन्य वैधानिक कार्रवाई को भी प्रभावी ढंग से लागू करता है। नक्सलमुक्ति के बाद सुकमा में सड़क निर्माण को लेकर यह मामला मातृमध्य में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की मिसाल बन सकता है।



शासन को भेजा गया है प्रस्ताव

इस संबंध में प्रधान मंत्री सड़क योजना के कार्यपालन अभियंता रविन्द्र तारी ने कहा कि 23 कार्यों की सूची भेजी गई है और शासन स्तर से जल्द कार्रवाई होने की संभावना है।

अब 10 प्रतिशत अर्थदंड और राशि राजसात की तैयारी

अनुबंध की शर्तों के अनुसार निर्धारित समयावधि में कार्य पूरा नहीं करने पर संबंधित ठेकेदारों पर अनुबंध राशि का 10 प्रतिशत अर्थदंड लगाए जाने का प्रावधान है। इसके साथ ही सिक्वोरिटी डिपॉजिट और परफॉमेंस गारंटी की राशि राजसात किए जाने का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है। यानी अब मामला सिर्फ ठेका निरस्त करने तक सीमित नहीं रहने वाला है। यदि शासन स्तर से प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है तो संबंधित ठेकेदारों पर आर्थिक कार्रवाई का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

मार्च 2027 तक नई निविदा से पूरा होगा काम

सुकमा जिले के खासकर कोटा ब्लॉक में अधूरे सड़क कार्यों को अब नए सिरे से पूरा कराने की तैयारी है। विभाग द्वारा इन सड़कों के लिए पुनर्निविदा करने के लिए विभागीय स्तर पर कार्रवाई के लिए भेज दिया गया है। और लक्ष्य मार्च 2027 तक कार्य पूर्ण करने का रखा गया है। नक्सल प्रभावित रहे सुकमा के लिए इन सड़कों का महत्व केवल आवागमन तक सीमित नहीं है। सड़कें बनने से दूरस्थ गांवों की बाजार, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। ऐसे में चार साल से अधूरे पड़े इन कार्यों को अब जल्द पूरा कराना प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती है।

नशे से दूर रहें युवा : मंजूषा



हरिभूमि न्यूज ►► जगदलपुर

सद्भावना भवन, बस्तर में आयोजित दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम के दौरान नशामुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित

- नशामुक्त समाज और सुपोषित भारत का संदेश
- बस्तर में दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम संपन्न
- चित्र प्रदर्शनी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं जागरूकता गतिविधियों का आयोजन

आहार एवं पोषण के प्रति विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं और आमजन को जागरूक किया गया। विद्यार्थियों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। ब्रह्माकुमारी केंद्र की बहन मंजूषा ने नशे से बचाव में ध्यान, आत्म-नियंत्रण और सकारात्मक सोच की भूमिका पर विशेष सत्र लिया। उन्होंने कहा कि मन और विचारों पर नियंत्रण रखने से व्यक्ति नकारात्मक आदतों से दूर रह सकता है। उन्होंने युवाओं को अपनी ऊर्जा सकारात्मक कार्यों में लगाने तथा नशे से दूर रहने के

लिए प्रेरित किया। इस दौरान विद्यार्थियों के लिए ध्यान सत्र भी आयोजित किया गया। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बस्तर के प्राचार्य चंद्रभान मिश्रा ने कहा कि नशे की बुराई को समाप्त करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नशामुक्ति की शुरुआत स्वयं से होनी चाहिए, इसके बाद परिवार को जागरूक करते हुए समाज और अंततः राष्ट्र को नशामुक्त बनाते की दिशा में प्रयास करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ, जिम्मेदार और सकारात्मक जीवन अपनाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान चित्र प्रदर्शनी, नशामुक्ति की शपथ, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, ध्यान सत्र तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम नशामुक्ति और पोषण का संदेश आमजन तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आमजन की सहभागिता रही। कार्यक्रम के समापन के साथ युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल, रचनात्मक गतिविधियों एवं समाजसेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया गया।

स्वामी जी - 9340638884

By Train : Reservation Coach

नेपाल विदेश

जनकपुर (श्रीता माता जन्म स्थान), अयोध्या (श्रीराम जन्मभूमि), लुम्बिनी, काठमांडू, बुद्धा नीलकण्ठ, भवतपुर, पशुपतिनाथ, पोखरा, गुवाहाटी, देविद कॉल, विद्ययासिनी मंदिर, कैलाशक, मनोकामना देवी

राशि स्वीपर ₹ 19,500/- ऑफर ₹ 17,999/- 3AC ₹ 29,500/- ऑफर ₹ 28,999/-

9111111866, 8275757579

स्वामी तीर्थ यात्रा

संपूर्ण छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र राज्य में सबसे कम दूरी पर तीर्थ यात्रा

Head Office : ईस्टी स्टैंड, ऑन, आर.एस. प्लेस, कोरबा, छत्तीसगढ़

संभाग स्तरीय आंदोलन की तैयारी को लेकर हुई बैठक

मोदी की गारंटी पूरा कराने कर्मचारियों करेंगे जंगी प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ►► जगदलपुर

प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ द्वारा आगामी 30 सितंबर को आयोजित संभाग स्तरीय एक दिवसीय आंदोलन की व्यापक तैयारी को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में आंदोलन को सफल बनाने तथा बस्तर संभाग के सभी जिलों से अधिक से अधिक कर्मचारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर रणनीति तैयार की गई। बैठक में संघ के प्रदेश महामंत्री गजेन्द्र श्रीवास्तव ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2017 से कर्मचारियों का 90 माह से अधिक का मंहगाई भत्ता एरियर्स लंबित है। वहीं कर्मचारियों को केंद्र के समान मंहगाई भत्ता देने की मांग भी लंबे समय से की



जा रही है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हित में की गई मोदी की गारंटी आखिर सरकार कब पूरी करेगी। उन्होंने कहा कि लंबित मांगों को लेकर अब कर्मचारी निर्णायक संघर्ष के लिए तैयार हैं और 30 सितंबर को संभाग स्तर पर जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। बस्तर संभाग अध्यक्ष अतुल शुक्ला ने कहा कि आंदोलन में बस्तर संभाग के सभी जिलों से बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि

आंदोलन को व्यापक और प्रभावी बनाने के लिए पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। बस्तर जिला अध्यक्ष संजय चौहान ने कहा कि कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर सभी पदाधिकारी और कर्मचारी एकजुट हैं। महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष नीलम मिश्रा ने कहा कि आंदोलन में महिला कर्मचारियों की भी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

6 कर्मियों को मिली नई जिम्मेदारी

बस्तर संभाग स्तरीय आंदोलन को गति प्रदान करने के लिए संगठन में छह कर्मचारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए, जिसमें सुनील सेठिया जिला उपाध्यक्ष, नीता पांडेय जिला उपाध्यक्ष, धनंजय बागने जिला महामंत्री, दिनेश पुराते मीडिया प्रमोटी, कृपेंद्र नेताम संयुक्त सचिव एवं पवन समरथ संयुक्त सचिव शामिल हैं। नवनिर्भुक्त पदाधिकारियों ने संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा एवं सक्रियता से निर्वहन करने का संकल्प लिया।

online Booking:-www.tripuryatra.com

स्लीपर मात्र 10,900/-

रायपुर, चिन्तासपुर, चम्पा, रायगढ़ से लेकर

श्वेत्तल ट्रेन 15

18 सितम्बर से 25 सितम्बर 2026 (8 दिन)

गंगा सागर यात्रा

गंगा सागर, श्री जगन्नाथ पुरी, मां कामाख्या देवी, कोलकाता (दक्षिणेश्वर काली मंदिर, कालीघाट काली मंदिर, बेल्गूर मठ)

ऑफर राशि : स्लीपर 10,900/- | 3 एसी-18,500/- | 2 एसी 23,500/- (+नश 650)

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

आपकी आस्था, हमारी सेवा

RAIPUR- D-38 Sector-4 Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road

संपर्क करें:- 7354-411411